NavBharat Times-New Delhi-17-02-2011

कंप्यूटर से एग्जाम दे सकेंगे विकलांग छात्र!

नई एग्जाम पॉलिसी, मंजूरी का इंतजार

भूपेंद्र || नॉर्थ कैंपस

डीयू ने डिसेबल्ड कैंडिडेट को बराबरी के मौके देने के लिए नई एग्जाम पॉलिसी तैयार की है, जिसे आने वाले दिनों में ऐकडेमिक काउंसिल में मंजूरी के लिए लाया जाएगा। यूनिवर्सिटी के ईक्वल अपॉर्च्युनिटी सेल (ईओसी) के सुझाव पर तैयार किए गए इस ड्राफ्ट में डिसेबल्ड कैंडिडेट के लिए खास सुविधाओं का प्रस्ताव है, जिसमें कैंडिडेट को कंप्यूटर/ लैपटॉप के जरिए पेपर करने की बात सबसे अहम है। यूनिवर्सिटी इसके लिए एक नया सॉफ्टवेयर तैयार करवाएगी। जिन कैंडिडेट को किसी डिसएबिलिटी के चलने-लिखने में परेशानी होती है और वे राइटर नहीं लेना चाहते, उनको कंप्यूटर मुहैया करवा जाएगा।

ईओसी की ओएसडी डॉ. निशा सिंह ने बताया कि डिसेबल्ड कैंडिडेट को समान अवसर मुहैया करवाने के मकसद के साथ यह प्रपोजल तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि बहुत सारे कैंडिडेट का पेपर राइटर के माध्यम से करवाया जाता है। यूनिवर्सिटी 'राइटर बैंक' भी तैयार करेगी ताकि हर जरूरतमंद कैंडिडेट को राइटर दिया जा सके। कोई कैंडिडेट अपना राइटर खुद लाना चाहता है तो भी यूनिवर्सिटी उसे इजाजत दे सकती है। हर एग्जामिनेशन सेंटर पर ट्रेंड साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर भी होगा ताकि जिन कैंडिडेट को सुनने या बोलने में परेशानी होती है, उनकी मदद की जा सके। देखने में आता है कि ऐसे कैंडिडेट को अगर क्वेश्चन पेपर के बारे में कोई समस्या होती है तो उन्हें ठीक से जवाब नहीं मिल पाता।

अभी तक राइटर शत प्रतिशत विजुअल डिसएबिलिटी वाले कैंडिडेट को ही मिलता था और इन कैंडिडेट को एक्स्ट्रा टाइम भी दिया जाता था लेकिन नई पॉलिसी में लो विजन वाले स्टूडेंट्स को भी राइटर देने का प्रस्ताव है। ऑर्थोपेडिक डिसेबल्ड को भी यह सुविधा दी जाएगी। यूनिवर्सिटी ने तय किया है कि जितना समय आम स्टूडेंट्स को मिलता है, उसका एक तिहाई टाइम ज्यादा डिसेबल्ड कैंडिडेट को मिलेगा। आम तौर पर आम स्टूडेंट्स का पेपर तीन घंटे का होता है और डिसेबल्ड कैंडिडेट को चार घंटे का समय मिला करेगा। एग्जामिनेशन ब्रांच ने भी इस पॉलिसी के आधार पर अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। ऐकडेमिक काउंसिल से हरी झंडी मिलने के बाद इसी साल से नई पॉलिसी लागू हो जाएगी। यूनिवर्सिटी के मुताबिक सभी कॉलेजों को यह निर्देश दिए जाएंगे कि डिसेबल्ड कैंडिडेट के लिए ग्राउंड फ्लोर पर ही सिटिंग अरेंजमेंट होना चाहिए।

आसान हो राह...

- जो डिसेबल्ड स्टूडेंट्स राइटर नहीं लेना चाहते उन्हें मिल सकेगा कंप्यूटर/लैपटॉप
- नया सॉफ्टवेयर बना रही है यूनिवर्सिटी, अपना राइटर बैंक भी तैयार करेगी
- अपना राइटर भी ला सकेंगे छात्र, हर सेंटर पर होगा साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर